कला संवाद

ललित कला अकादेमी की समाचार पत्रिका, नवम्बर, 2016

राष्ट्रपति भवन के कला संग्रह पर चित्रावली (पोर्टफोलियो)

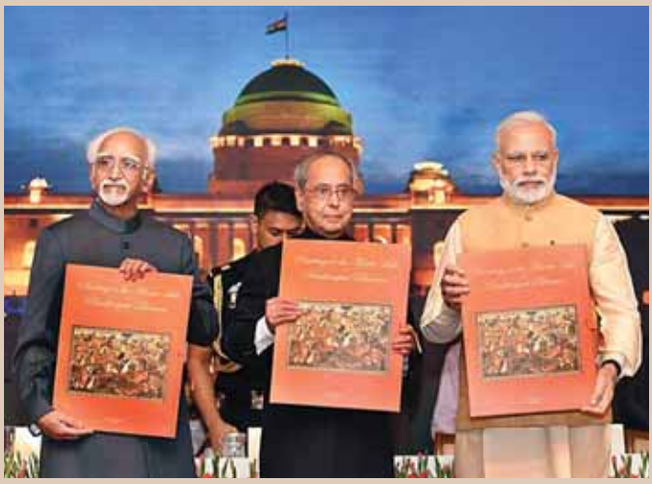

अकादेमी द्वारा प्रकाशित राष्ट्रपति भवन की चित्रावलियों का विमोचन करते माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, माननीय उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी तथा माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी

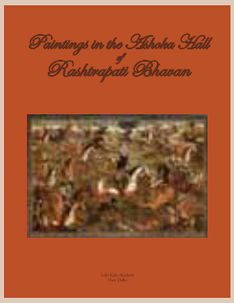

ललित कला अकादेमी ने राष्ट्रपति भवन के कला संग्रह पर तीन पोर्टफोलियो प्रकाशित किए है
साथ कलाकृतियों की चित्रकृतियों का संग्रह है
संक्षिप्त आकार के बावजूद अपने रंग, प्रभाव औ
बिक्री के लिए उपलब्ध यह चित्रावलियाँ भी आदर्श उपहार के तौ
साज-सज्जा के तौ

पेन्टिंग्स इन द अशोक हॉल ऑफ राष्ट्रपति भवन

अशोक हॉल राष्ट्रपति भवन का सर्वाधिक सुन्दर कक्ष है
स्टेट बॉलरूम के रूप में अवधारित सर एडविन लुटियन्स ने अशोक हॉल की छत को मूल रूप से उत्कृष्ट चित्रित अलंकरण के रूप में कल्पित किया। इन कृतियों को बाद के दिनों में लेडी विलिंग्टन की इच्छा के मुताबिक पारसी शै
के साथ परिवर्द्धित किया गया। अशोक हॉल में भारत के राष्ट्रपति राष्ट्रीय औ

कम्पनी पेन्टिंग्स इन राष्ट्रपति भवन

भारत में 18वीं औ
है
उपमहाद्वीप का वास्तुशिल्प, वनस्पति जगत औ
है
19वीं सदी में भारत में विकसित शै
जानवरों, देशी जनमानस औ
से ज्यादातर कृतियाँ कागज पर बनाई गई थीं औ
हॉजेज, विलियम औ

सिलेक्ट पेन्टिंग्स ऑफ राष्ट्रपति भवन

राष्ट्रपति भवन का समृद्ध संग्रह ई.पू. तीसरी सदी से लेकर समकालीन समय तक का है
प्रारम्भिक प्रयास लार्ड इरविन के आदेशों पर सर इवन कॉटन द्वारा वर्ष 1931 में आरम्भ किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की कार्यावधि के दौ
गया है
प्रयास है
इस संग्रह में 18वीं सदी के चीनी चित्रों का चयन है
है
निष्पादन की श्रेष्ठता के आधार पर लिया गया है

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन

ललित कला अकादेमी की 57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन इस बार 10 मार्च, 2016 को अकादेमी के क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ में किया गया। सबसे पहले क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ की कला - दीर्घाओं में लगी 122 कलाकारों की इतनी ही प्रदर्शित कृतियों का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक ने किया। उन्होंने प्रदर्शनी का शुभारम्भ कर प्रदर्शित कृतियों का अवलोकन किया औ
राष्ट्रीय प्रदर्शनी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इसके बाद केन्द्र के परिसर में आयोजित एक भव्य समारोह में माननीय राज्यपाल ने इस अवसर पर पन्द्रह कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। पुरस्कृत कलाकारों को एक-एक लाख रुपये का चेक औ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने कहा कि कला का सम्प्रेषण भी एक कला है
कड़े परिश्रम की जरूरत है
है
जरूरत है
काम युवा पीढ़ी करे। श्री नाईक ने कहा कि कला को आगे बढ़ाने के लिए समाज औ
है
की राजधानी है
राजधानी है
की बात है
उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ एवं प्रोत्साहन कलाकारों को भी मिलना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कलाकार अपनी कला से मूर्तियों में भी जीवन्तता पै
लगे भित्तिचित्र की बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के तीन परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले शहीदों के भित्तिचित्र प्रेरणा के स्रोत है
सम्मान करने के लिए भित्तिचित्र बनाये गये है
ऐसी कलाकृतियों से प्रेरणा लें तो उनकी कला में औ

अकादेमी के सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा ने कहा कि हम सभी 57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के आयोजन में शामिल है
विभिन्न कला-माध्यमों के पन्द्रह कलाकार पुरस्कृत हो रहे है
बाईस कलाकारों की इतनी ही कृतियाँ राष्ट्रीय कला-परिदृश्य की युवा समकालीनता का प्रतिनिधित्व कर रही है
सब की तरह मुझे भी खुशी हो रही है
प्रदर्शनी लखनऊ में ही हो रही है
है
था औ
शुभारम्भ किया था। उन्होंने केवल प्रदर्शनी का ही नहीं, इस नये भवन का भी लोकार्पण किया था जिसके परिसर में आज हम सब यहाँ उपस्थित है
इसका एक इतिहास है 'र्षों से खाली
पड़ी थी। मै
औ
हो कि 5 जून, 2003 को हमने इस नये भवन का भूमि-पूजन किया था जो दो व'र्षों बाद 2005 में नये रूप में आया। इसमें हमने कई दीर्घाएँ बनाईं, कार्यालय का खण्ड बनाया औ
कला औ
कि 47वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के बाद कई विदेशी प्रदर्शनियाँ भी यहाँ लगीं औ
की, औ
चाहा, वै
कि यह परिसर उस तुलसी चौ
जलते है
आयोजन से पुन: यह परिसर जीवन्तता की ओर कदम बढ़ायेगा औ
लिए कुछ नये औ
माननीय राज्यपाल के यहाँ आने पर अपनी ओर से हार्दिक आभार भी व्यक्त किया।

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के शुभारम्भ के अवसर पर (बाएँ से) सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा, माननीय राज्यपाल (उ.प्र.) श्री राम नाईक औ अकादेमी के तत्कालीन प्रशासक श्री के.के. मित्तल

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 2 11/23/2016 5:04:48 PM

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते श्री राम नाईक। साथ में है

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री राम नाईक। साथ में है

समारोह की अध्यक्षता करते हुए अकादेमी के तत्कालीन प्रशासक श्री के.के. मित्तल ने इस अवसर पर माननीय राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया औ
राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के इस आयोजन का मै
रहा है
कला अकादेमी का प्रशासक बनाया गया, उसमें रहकर निष्ठापूर्वक काम कर सका। उसी कड़ी में अयोजित 57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी एक अद्‌भुत अनुभव है
के मध्य यह प्रदर्शनी एक प्रेरक औ
पूरे भारत से 2797 कलाकारों से प्राप्त 7199 कलाकृतियों से शुरूआत की। सर्वोपरि प्राथमिकता थी- पारदर्शिता औ
बार हमने 1 से 10 व्यक्तिगत अंक योजना आरम्भ की। निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों ने अंक दिए। द्विस्तरीय निर्णायक मंडल के समक्ष एक बड़ा कार्य था। प्रथम स्तरीय निर्णायक मंडल ने 7199 कृतियों में से 122 कृतियों का चयन किया। इस चयन प्रक्रिया के दौ
काफी विचार-विमर्श औ
बै
आयोजित की गई जिसमें प्रख्यात कलाकार सर्वश्री नीरज गोस्वामी, सुमन गुप्ता, सीमा कोहली, औ
की बै

श्री सी.एस. कृष्णा सेट्टी अकादेमी के नए प्रशासक नियुक्त

कलाकार, सांस्कृतिक समीक्षक औ
को संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने ललित कला अकादेमी का प्रशासक नियुक्त किया है
पदभार ग्रहण कर लिया है
विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थाओं में 40 वर्षों से भी अधिक समय तक कला औ
कर्नाटक ललित कला अकादमी, अकादमिक परिषद् सदस्य, कर्नाटक फोकलोर यूनिवर्सिटी, शासकीय परिषद् कर्नाटक विश्वविद्यालय, हम्पी तथा सदस्य, दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, तंजवौ
में अपनी सेवाएँ दे चुके श्री सेट्टी को वॉन गॉग पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, कर्नाटक ललित कला अकादमी पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले है

इन दिनों श्री सेट्टी राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एन.जी.एम.ए.) की सर्वोच्च समिति के सदस्य, सांस्कृतिक शोध के लिए बनी टै
63वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की जूरी के सदस्य तथा राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा (एन.जी.एम.ए.) बंगलौ
है

श्री सेट्टी ने कई राष्ट्रीय औ
में भाग लिया है
प्रस्तुत किए है
में वे कला आलोचक औ

संस्कृति मन्त्री को पुष्पगुच्छ भेंट करते प्रशासक श्री सी. एस. कृष्णा सेट्टी

पर रहते हुए सात कर्नाटक कला मेलों का आयोजन किया है
पर कई पुस्तकें भी लिखी है

आपसे अकादेमी को बहुत-सी आशाएँ है
अकादेमी अपनी भूमिका का निर्वाह कर सफलता के शिखरों को छूएगी, इसकी कामना भी है

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 3 11/23/2016 5:04:49 PM

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के केटलॉग का विमोचन करते श्री राम नाईक। साथ में है डॉ. सुधाकर शर्मा औ

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का एक दृश्य

सेनगुप्ता, गोगी सरोजपाल, जय झरोटिया औ
को लखनऊ में पुरस्कार विजेताओं का चयन किया। कला औ
भारत की कला में विविधताएँ हैं
मानसिक क्रियाशीलता की आवाजाही है
औ
हमें निरन्तर प्रयास करना है
हम अपनी स्थापना के उद्देश्यों को पा सकें। इसके लिए जिस तरह की पारदर्शिता की जरूरत है
किसी भेदभाव के काम कर सकें औ
अकादेमी सभी कलाकारों की है
दिशा में आगे बढ़ रहे है

इस समारोह में पुरस्कृत कलाकारों के साथ बड़ी संख्या में कलाकार औ
बनाया।

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में चयन और पुरस्कार

इस बार अकादेमी ने 1 से 10 व्यक्तिगत अंक योजना आरम्भ की। निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों ने अंक दिए। द्विस्तरीय निर्णायक मंडल के समक्ष एक बड़ा कार्य था। प्रथम स्तरीय निर्णायक मंडल ने 7199 कृतियों में से 122 कृतियों का चयन किया। इस चयन प्रक्रिया के दौ
दिन काफी विचार-विमर्श औ
की बै
तक आयोजित की गई जिसमें प्रख्यात कलाकार सर्वश्री नीरज गोस्वामी, सुमन गुप्ता, सीमा कोहली, औ

द्विस्तरीय निर्णायक मंडल की बै
कलाकारों सर्वश्री सुबोध गुप्ता, नीरेन सेन गुप्ता, गोगी सरोजपाल, जय झरोटिया औ
विजेताओं का चयन किया।

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के पुरस्कृत कलाकार और कृतियाँ हैं –

1. अमित कुमार – इन्टीमेसी रोर
2. धीरज यादव – अनटाइटल्ड – 40
3. गिरीश चन्द्र बेहरा – ह्वाईट स्मोक
4. कपाड़िया गुलाब मनसुखभाई – स्वास्तिक वाच कम्पनी
5. कौ
6. लोकनाथ प्रधान – 31 दिसम्बर
7. माधव दास – ऐन इनकॉन्विनिएन्ट ट्रूथ
8. प्रतीक्षा अपूर्व – कॉस्मिक बै
9. पूजा मोंडल– द मोनोलॅग ऑफ स्पेसेज
10. राधाकृष्ण राव – विश्रान्ति
11. राजीव कुमार – कम्पोजीशन
12. रवीन्दर कुमार – आर्ट है
13. शरद सोनकुसले – अनटाइटल्ड
14. स्वप्नेश हरिचन्द्र वै
15. विपुल नागजीभाई प्रजापति – माई ड्रीम वर्सेस माई रियालिटी

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी : समकालीन भाव की पकड़

पुरस्कृत कृतियों पर एक विचार – ललित कला अकादेमी की 57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी इस विचार की पोषक है
कलाकारों के मध्य संवाद से बढ़कर है
औ
है
कलाकारों की कृतियाँ है

चित्रों, छायाचित्रों औ
विचार तथा बाहरी औ
मध्य भेद बिल्कुल साफ दिखाई देता है
को पकड़ते हुए एकल रूपाकार पर कार्य करता है
जै
कलाकार आवर्ती रूपों का प्रयोग करके लय औ
अपने मूर्तिशिल्प में पूर्णता का भाव लाता है
की अनुभूति प्रदान करती है
एक मुस्कान में व्यक्त हो सकता है
तकनीक औ

पुरस्कृत कृतियों की अभिव्यक्तियाँ

ललित कला अकादेमी के राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित 15 कलाकारों की कलाकृतियों पर नजर डालने से हम विभिन्न संवेदनाओं के मध्य साझा धरातल की खोज कर सकते है

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 4 11/23/2016 5:04:51 PM

की सुगन्ध औ
अधिकतर कलाकारों ने किसी न किसी रूप में प्रेरणा, अवधारणा या विचार के द्वारा अपनी कृतियाँ बनाईं औ
हुए कार्य को अन्तिम रूप दिया। कोई विचार दिमाग में अचानक कौ
है
है
कभी कृति-सृजन की प्रक्रिया के दौ

विचार आने के बाद एक पूर्ण कलाकृति बनने तक उनकी व्याख्या के लिए कई सम्भावनाएँ होती है **अमित कुमार** द्वारा
कै
पर एक दहाड़ते बाघ का सिर लगा हुआ है **इन्टीमेसी रोर** में पहचान औ समझ की दोहरी संगति है
बताती है

पथारा, उड़ीसा के **गिरीश चन्द्र बेहरा** की कृति **व्हाईट स्मोक** पल्प पेपर पर जलरंगों का प्रयोग है
बनाए है ॅइंग माध्यम का प्रयोग
विविधताओं के साथ किया है
संस्कृतियों औ
मछलियों औ

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के **धीरज यादव** के रेखाचित्र **अनटाइटल्ड - 40** एक शृंखला की भाँति है
टेढ़े-मेढ़े अक्षरों में बनाया गया है
वि'ाय बन गए है **गुलाब एम.कपाड़िया** की कृति
का शी'ाक **स्वास्तिक वाच कंपनी** है
करते हुए इसे बनाया गया औ
परिष्कृत प्रभाव मिला है
में पुनरावृत्ति एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है
बड़ा चश्मा है
कौ **टरम्वायल**
ऑफ रिविजिटिंग द पास्ट कै

केयारबांका, उड़ीसा के **लोकनाथ प्रधान** की संस्थापन कृति **31 दिसम्बर** में लकड़ी के गुटके, तार औ
कृति का शीर्षक **31 दिसम्बर** है
के बाद उनके मस्ति'क की परेशान स्थिति के चित्रण स्वरूप रखा गया है

गोहाटी, असम के **माधव दास** की कृति सर्वाधिक विलक्षण कार्य है
लोहे, लकड़ी औ **ऐन इनकॉन्विनिएन्ट**
टूथ में एक हिरण है "ारीर लोहे की छड़ों द्वारा ऊँचाई पर रखा गया है
दास ने कृति का शीर्षक इसी नाम की फिल्म से लिया है
उष्णता के दु'प्रभावों औ
के प्रति हमारा ध्यानाकर्षित करते है

नई दिल्ली के **राजीव कुमार** द्वारा मिश्रित माध्यम में तै
मूर्तिशिल्प **कंपोजीशन-I** में ऊपर सोने में बने बच्चे के सिर को एक तने से जोड़ दिया गया है
मध्य वाद-विवाद का प्रक्षेपण है
आह्वान करता है
के विचार को महत्त्व देगी ताकि आज का युवा कल का नेता बनकर जानवरों के कल्याण हेतु कुछ करे।

गदखारा, मध्य प्रदेश की **प्रतीक्षा अपूर्व** मृदु स्टेन्सिल में मंडला चित्र **कॉस्मिक बैलेन्स** प्रस्तुत करती है **पूजा**
मोंडल अपनी प्रेरणा को **द मोनोलॉग ऑफ स्पेसेज** नाम देती है
पेपर पर जलरंगों में उन्होंने अध्यात्मवाद प्रस्तुत किया है
औ
स्थान के विचार में लाक्षणिक भेदों औ
वास्तुशिल्प औ "ाहरी व्याकरण इकट्ठे हो गए है

पुरस्कृत कलाकारों में दो छायाकार राधाकृष्ण राव औ
है **राधाकृष्ण** का छायाचित्र **विश्रांति** एक मै
प्रिन्ट है
लोगों के प्रेम को दर्शाता है
भी सूचक है
पर, जो उन आवारा कुत्तों के साथ शान्ति से रहता है
जीते है

दिल्ली के **रवीन्द्र कुमार** का छायाचित्र एक अमूर्त परोक्ष छवि है
एक दीवार की ओर हमारा ध्यानाकर्षित करती है
एक अमूर्त चिन्तन का सृजन कर सकती है **आर्ट**
हैपन्स-9 है

देवली, महाराष्ट्र के **शरद सोनकुसले** राइस पेपर औ
ग्लास मार्किंग औ
एक अपक्षारी सतह सृजित करते है
पेन्सिल पर ही आश्रित न रहकर उन्होंने राईस पेपर औ
सरीखी बनावट की है
परिणत हो गया है **अनटाइटल्ड -I** है

गोवा के **स्वप्नेश हरिचन्द्र वैगनकर** अपनी इचिंग कृति **वोयज** में मन्दिरों औ
स्थापत्य के वै
आध्यात्मिकता के इस मिश्रण ने उनकी कृति को आकर्षित बनाया है

विरमगाम, गुजरात के **विपुल नागजीभाई प्रजापति** अपनी कृति **माई ड्रीम वर्सेस माई रियालिटी** में पेन्सिल ड्रॉइंग के प्रति आकर्षण को व्यक्त कर रहे है
है
देखता है
में है
की छोटी आकृति भी सृजन का हिस्सा है
पर एक व्यंग्य है
व्याप्त है
प्रयोग इस कृति को विशेष बनाता है
कि हमारे पास ऐसे कलाकार है

इन चित्रों, इचिंग, छायाचित्रों, मूर्तिशिल्पों औ
केवल रंगों औ
भाषा का भी विकास करना चाहते है

यह पुरस्कृत कलाकृतियाँ अथक रूप से रंगों के सुनिश्चित प्रयोग से निर्मित है
नियोजित संरचनाओं में प्रयुक्त की गई है
केवल दृश्यात्मक खुशी देने के लिए नहीं, बल्कि समकालीन भारतीय दृश्य

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 5 11/23/2016 5:04:53 PM

पुरस्कृत कृतियाँ

अमित कुमार – इन्टीमेसी रोर

लोकनाथ प्रधान– 31 दिसम्बर

शरद सोनकुसले – अनटाइटल्ड–I

गिरीश चन्द्र बेहरा – ह्वाईट स्मोक

कौ

प्रतीक्षा अपूर्व – कॉस्मिक बै

माधव दास – ऐन इनकॉन्विनिएन्ट ट्रूथ

कपाड़िया गुलाब मनसुखभाई – स्वास्तिक वाच कम्पनी

विपुल नागजीभाई प्रजापति – माई ड्रीम वर्सेस माई रियालिटी

राधाकृष्ण राव – विश्रान्ति

राजीव कुमार – कम्पोजीशन–I

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 6 11/23/2016 5:04:53 PM

धीरज यादव - अनटाइटल्ड 40

पूजा मोंडल - द मोनोलॉग ऑफ स्पेसेज

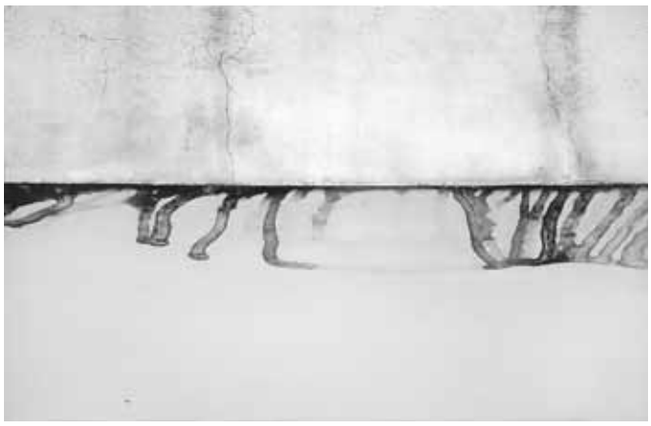

रवीन्दर कुमार - आर्ट है

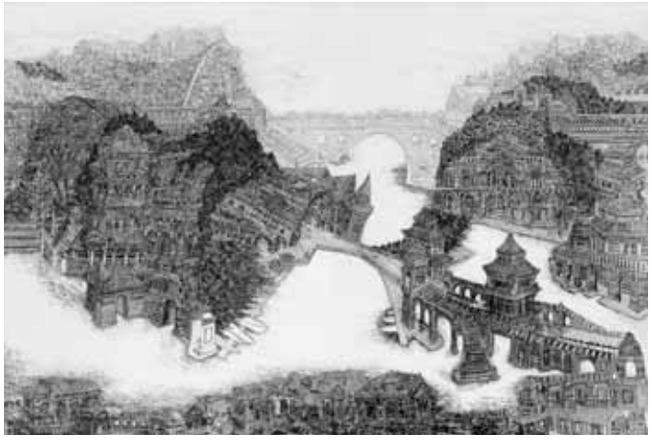

स्वप्नेश हरिचन्द्र वै

का चित्रण व्यक्तिगत तरीके से करने के लिए विन्यस्त सम्भावनाओं का आह्वान करते है

राष्ट्रीय कला सम्मिलन का आयोजन

ललित कला अकादेमी ने डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में एक वृहत् राष्ट्रीय कला सम्मिलन का आयोजन किया जो 11 मार्च से 20 मार्च, 2016 तक चला। इस सम्मिलन में 57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में विभिन्न माध्यमों से चयनित सभी 122 कलाकारों को आमन्त्रित किया गया था जिन्होंने इस पूरी अवधि में अपनी कृतियों का सृजन किया। यह अपने तरह का पहला वृहत् आयोजन था जिसमें इतनी बड़ी संख्या में कलाकार भागीदार रहे। इस वृहत् कला सम्मिलन का शुभारम्भ करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि - कलाकार की भाषा हो सकती है
लिए किसी भाषा की जरूरत नहीं होती है
हुए हमें कला के क्षेत्र में अनेकता में एकता का भाव देखने को मिलता है
युवाओं के विकास के लिए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने कौ
जोर दिया है
के आदान-प्रदान के साथ भविष्य में सुधार पर विचार करें। उन्होंने कहा कि
कला में विचार-विनिमय से औ श्री नाईक ने कहा कि जै
काशी देश की सांस्कृतिक राजधानी है
आर्थिक राजधानी है
कला के क्षेत्र में सांस्कृतिक विनिमय से एक नया माहौ
से ज्यादा कलाएँ विद्यमान है
आदि। ऐसे आयोजन से कलाकारों के ज्ञान का विस्तार होता है
कि अन्य प्रदेशों में भी ऐसे सम्मिलन होने चाहिएँ।

उन्होंने कहा कि कलाकारों का यह जमावड़ा भारत की कला के क्षेत्र में एक स्वर्णिम अध्याय माना जायेगा। कलाओं में ललित कला का विशेष महत्त्व है

इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निशीथ राय ने कार्यक्रम का विवरण देते हुए दिव्यांगजनों के बारे में विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे शै
दी। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में देश के विभिन्न भागों से आए दिव्यांग छात्रों को नि:शुल्क नामांकन दिया जाता है
सुविधा नि:शुल्क दी जाती है
सच्चे अर्थों में सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर रहा है
में शीघ्र ही एक संग्रहालय बनाये जाने की सूचना दी औ
धरोहरों को संजोकर रखने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय यह लगातार प्रयत्न कर रहा है
मुख्यधारा से जोड़ा जाय औ
केन्द्र कार्य कर रहे है

अपने सम्बोधन में समारोह के विशिष्ट अतिथि ललित कला अकादेमी के सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा ने इस वृहत् कला सम्मिलन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पहली बार हुआ है
लिए चयनित सभी 122 कलाकारों को एक मंच पर लाकर काम करने की सुविधा दी गई है
चर्चा की औ

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 7 11/23/2016 5:05:03 PM

राष्ट्रीय कला सम्मिलन के शुभारम्भ के अवसर पर माननीय राज्यपाल (उ.प्र.) श्री राम नाईक औ

डाला। उन्होंने लखनऊ की कला विरासत औ
की सराहना करते हुए कहा कि हमारी कोशिश होगी कि जितनी भी विदेशी प्रदर्शनियाँ हों, उन्हें हम लखनऊ में प्रदर्शित करेंगे औ
में निष्पादित कृतियों को शामिल करेंगें। उन्होंने कलाकारों से निवेदन किया कि वे पूरे मनोयोग से अपनी कृतियों पर काम करें ताकि उनके काम बरसों तक याद रखे जा सकें। अपने वक्तव्य में डॉ. शर्मा ने माननीय राज्यपाल की उदारता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम चाहेंगे कि उनका संरक्षण औ
सम्भव कर सकें। उन्होंने डॉ. शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निशीथ राय के कार्यों औ
औ
मिलकर अनेक बड़े कला-आयोजनों को क्रियान्वित करना सम्भव होगा।

कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो.एस.बी.निमसे, विकलांग जन विकास विभाग के सचिव अनिल सागर, विश्व विद्यालय के कुलसचिव ए.के.दुबे, डीन एकेडमिक्स प्रो. ए.पी. तिवारी, डी.एस.डब्लू. प्रो. वी.के.सिंह, कार्यपरिषद् सदस्य सुनील चौ
सी. मिश्र, उप कुलसचिव डॉ. ए.के. सिंह, सहायक कुलसचिव बृजेन्द्र सिंह एवं बिन्दु सिंह समेत समस्त डीन एवं विभागाध्यक्ष, कला विशेषज्ञ तथा भारी संख्या में कलाकार छात्र-छात्राएँ मौ

राष्ट्रीय कला सम्मिलन के प्रतिभागी कलाकार

57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में चयनित सभी 122 कलाकारों को 11 मार्च से 20 मार्च, 2016 तक आयोजित डॉ. शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में आमन्त्रित किया गया जिन्होंने अपनी उल्लेखनीय कृतियों का सृजन किया। सम्मिलन में प्रतिभागी कलाकार थे -

अमित कुमार (उत्तर प्रदेश), धीरज यादव (उत्तर प्रदेश), गिरीश चन्द्र बेहरा (उत्तर प्रदेश), कपाड़िया गुलाब मनसुख भाई (गुजरात), कौ
साहा (गुजरात), लोकनाथ प्रधान (दिल्ली), माधव दास (दिल्ली), प्रतीक्षा अपूर्व (दिल्ली), पूजा मोंडल (गुजरात), राधाकृष्ण राव (दिल्ली), राजीव कुमार (दिल्ली), रवीन्द्र कुमार (दिल्ली), शरद सोनकुसले (हरियाणा), स्वप्नेश हरिचन्द्र वै
ए.नवीन कुमार (कर्नाटक), अभिलेश रामेश्वर राव नरवरे (महाराष्ट्र), अभिषेक नारायण वर्मा (गुजरात), अभिषेक पाल (उत्तर प्रदेश), आदर्श

कला सम्मिलन में कार्यरत कलाकार

कला सम्मिलन में कार्यरत कलाकार

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 8 11/23/2016 5:05:07 PM

बाजी सथपदा (गुजरात), अदिति अग्रवाल (उत्तर प्रदेश), ऐशरज्य पारमिता कोनवार (गुजरात), अखिलचन्द्र दास (पश्चिम बंगाल), अखिल मोहन (केरल), अम्बरीश मिश्र (उत्तर प्रदेश), अमित कुमार साहा (पश्चिम बंगाल), अमित सिंह स्लाथिया (जम्मू औ
सतरे (महाराष्ट्र), अनिल कुमार बोडवाल (दिल्ली), अनिरूद्ध मुखर्जी (दिल्ली), अन्जन पात्रा (पश्चिम बंगाल), अपूर्व घनश्याम नन्दी (महाराष्ट्र), बापूसाहेब धौं
(दिल्ली), भास्कर ज्योति गोगोई (छत्तीसगढ़), भोलानाथ रूद्र (पश्चिम बंगाल), विप्लब सरकार (दिल्ली), ब्रजेश कुमार पटेल (पश्चिम बंगाल), चेमत दोर्जे (उत्तर प्रदेश), दत्तात्रेय देवराव जामले (गुजरात), देबाश्री दास (गुजरात), दीपक नागजी मेर (महाराष्ट्र), दिग्विजयी कठुओ (दिल्ली), दिलीप कुमार चन्द्र (दिल्ली), गणेश दास (पश्चिम बंगाल), गजनफर जै
गोवर्धन मंडल (छत्तीसगढ़), गुर्राला संजय मणिकंथा (गुजरात), जगदेश तम्मिनेनी (गुजरात), जगेश डी.के. (केरल), जयेश के.के.(केरल), ज्योति प्रकाश प्रधान (उड़ीसा), कै
पुरकै
परावलिका (पश्चिम बंगाल), लै
नारायण राव काले (महाराष्ट्र), मंजूनाथ होन्नापुरा (कर्नाटक), मनोजीत सामन्ता (पश्चिम बंगाल), मोहम्मद नईम (उत्तर प्रदेश), मुक्ता दत्तात्रेय पुसालकर (महाराष्ट्र), मुरली नागपोझा (केरल), नीलम मोहन चौ (राजस्थान), नीलेश अशोक इंगले (महाराष्ट्र), निशान्त कुमार (दिल्ली), पलाश पॉल (पश्चिम बंगाल), पप्पू बर्धन (पश्चिम बंगाल), पवन यादव (उत्तर प्रदेश), पोसी प्रसाद सूला (गुजरात), प्रभाकर सिंह (महाराष्ट्र), प्रदीप कुमार (उत्तर प्रदेश), प्रदीप वाघेर (दिल्ली), प्रदीप दास (पश्चिम बंगाल), प्रदन्या जयप्रकाश रामटेके (महाराष्ट्र), प्रकाश हरिभाऊ घाडगे (महाराष्ट्र), पृथ्वीराज (मंगलौ
शिंगे (महाराष्ट्र), राजा शेखर टिप्पना (अरुणाचल प्रदेश), राजेश राम (दिल्ली), राजीव सिकदर (उत्तर प्रदेश), रजनीश वर्मा (उत्तर प्रदेश), राम संजीवन (दिल्ली), रतन कृष्ण साहा (महाराष्ट्र), रीतु सिंह (उत्तर प्रदेश), रेणुका सोंधी गुलाटी (दिल्ली), सजीश पी.ए. (केरल), सजीश पुथूकलावोत्तम (केरल), संदीप दहिया भाई सुनेरिया (गुजरात), संजय

कला सम्मिलन में कार्यरत कलाकार

नारायण सफारे (महाराष्ट्र), संजय राज (उत्तर प्रदेश), शेखरमूर्ति दहीवाला (महाराष्ट्र), शिनोज चोरन (केरल), शिवानंद श्यागोती (कर्नाटक), श्रद्धा तिवारी (उत्तर प्रदेश), श्रेया घोष (पश्चिम बंगाल), श्रीवेल्ला प्रगति कुमार (गुजरात), सोहम राहा (दिल्ली), सोनल वार्ष्णेय (उत्तर प्रदेश), सोनाली लाहा (तेलंगाना), सौ
सुकेसन कनका (केरल), सुरजकृष्ण नागवंशी (महाराष्ट्र), सुशान्ता कुमार बेहरा (उड़ीसा), सुषमा यादव (दिल्ली), तनु प्रकाश खंडुआल (दिल्ली), उपमा चक्रवर्ती (पश्चिम बंगाल), वी.वासंदन (पुडुच्चेरी), विजय भगत (झारखंड), विजया (छत्तीसगढ़), विकास चन्द्र (बिहार), विक्रम कुमार नायक(उत्तर प्रदेश), विक्रान्त विश्वास भिसे (महाराष्ट्र), विराज वसन्त नायक (गोवा), विवेक कुमार (उत्तर प्रदेश) औ
(उत्तर प्रदेश)।

कला सम्मिलन में कलाकारों का सृजन

ललित कला अकादेमी औ
के संयुक्त तत्वावधान में लखनऊ में आयोजित 122 कलाकारों का कला सम्मिलन अनेक मायनों में यादगार रहा 11 मार्च से 20 मार्च, 2016 तक आयोजित इस सम्मिलन में कलाकारों ने पूरे मनोयोग से अपनी कृतियों का सृजन किया। इस सम्मिलन में एक तरफ जहाँ राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकार काम कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ वे कलाकार थे जिनकी कृतियाँ 57वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए चुनी गई थीं। इन सभी कलाकारों ने आपसी विचार-विमर्श को जीवन्त रखते हुए अपनी-अपनी कृतियों पर काम किया औ
इस पूरी अवधि में विश्वविद्यालय के दृश्यकला विभाग के छात्रों के साथ लखनऊ कला महाविद्यालय तथा नगर के कलाकार औ
की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। आगन्तुकों के उत्साह को देखते हुए कलाकारों ने भी उन्हें भरपूर समय दिया तथा उनकी कलात्मक जिज्ञासाओं पर प्रसन्न-मन से चर्चा की।

इस दौ
समय को अपनी कृतियों में विन्यस्त करने का प्रयास किया। इनमें जितनी अपनी विषय-वस्तु को लेकर गम्भीरता दिखी, उतनी ही शिल्प की सजगता भी। सम्मिलन में भारतीय समकालीन कला का पूरा प्रतिनिधित्व देखने को मिला जिसमें उत्तर से दक्षिण औ
से आये कलाकारों की नई पौ
आक्रान्त भौ
सौ
कर कला को अपने समय से जोड़ने की सराहनीय पहल की। यह अपने आप में एक विलक्षण अनुभव रहा।

ऐसा पहली बार हुआ था कि राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में शामिल सभी कलाकारों को एक मंच पर लाकर उन्हें सृजन का अवसर दिया गया। अकादेमी की इस महत्त्वपूर्ण पहल पर सब ने प्रसन्नता व्यक्त की औ समाचार माध्यमों ने इस आयोजन को प्रमुखता से प्रकाशित किया। प्रतिभागी कलाकारों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी अकादेमी इस आयोजन की परम्परा को जारी रखेगी।

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 9 11/23/2016 5:05:10 PM

अकादेमी में माननीय मन्त्रियों का आगमन

श्रीमती मेनका गाँधी के साथ सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा

प्रदर्शनी का अवलोकन करते संस्कृति मन्त्री डॉ. महेश शर्मा। साथ में है

अकादेमी के विक्रय केन्द में लगे मूर्तिशिल्प का अवलोकन करते श्रीपद नाईक। साथ में है डॉ. सुधाकर शर्मा

रूसी लेखक प्रतिनिधि मण्डल के साथ श्री के.के. मित्तल औ

मेनका गाँधी का आगमन

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मन्त्री श्रीमती मेनका गाँधी ने 4 नवम्बर, 2015 को अकादेमी का दौ
में प्रकाशित प्रकाशनों को भी देखा। बाद में श्रीमती गाँधी ने सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा के साथ अकादेमी के समिति कक्ष में एक बै
औ
सम्भावनाओं पर बातचीत की।

डॉ. महेश शर्मा का आगमन

संस्कृति औ
कला अकादेमी की दीर्घा में 23 नवम्बर, 2015 को आगमन हुआ। उन्होंने इस क्रम में एक कला प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। प्रदर्शनी के शुभारम्भ के बाद उन्होंने प्रदर्शित कृतियों का अवलोकन किया औ
गतिविधियों का जायजा लिया। इस आगमन पर सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा उनके साथ रहे।

श्रीपद नाईक का आगमन

केन्द्रीय आयुष मन्त्री श्रीपद नाईक का आगमन अकादेमी की दीर्घा में 6 नवम्बर, 2015 को हुआ जहाँ उन्होंने एक कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद मन्त्री महोदय ने अकादेमी के प्रकाशनों को देखा औ

चीनी प्रतिनिधिमण्डल का दौरा

अन्तर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत 40 युवाओं के चीनी प्रतिनिधिमण्डल ने 18 नवम्बर, 2015 को अकादेमी का दौ
प्रतिनिधिमण्डल ने अकादेमी के पुस्तकालय में चीनी कला पर पुस्तकों के संग्रह को भी देखा। उन्होंने अकादेमी के सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा के साथ भारत की कला औ

रूसी लेखक प्रतिनिधिमण्डल

रूसी लेखकों के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने 23 नवम्बर, 2015 को अकादेमी का दौ
कार्यक्रम के तहत आयोजित किए जा सकने वाले कला औ
कार्यक्रमों पर प्रशासक श्री के.के. मित्तल औ
के साथ चर्चा की।

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 10 11/23/2016 5:05:11 PM

मुख्यालय में राजभाषा हिन्दी सप्ताह का आयोजन

अकादेमी द्वारा 14 से 22 सितम्बर, 2016 तक राजभाषा हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह उद्घाटन 14 सितम्बर, 2016 को औ समापन 22 सितम्बर, 2016 को किया गया। दोनों ही अवसरों पर प्रख्यात हिन्दी सेवियों को आमन्त्रित किया गया। सप्ताह के दौ
के लिए बहुत-सी प्रतियोगिताओं यथा-निबन्ध लेखन, टिप्पणी, प्रश्नपंच, काव्यपाठ औ

हिन्दी सप्ताह का शुभारम्भ करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ.ज्योतिष जोशी ने कहा कि अपनी भाषा को बचाना ही अपनी संस्कृति को बचाना है
औ
गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष औ
राय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यदि इच्छाशक्ति हो तभी हिन्दी राजभाषा के पद पर स्थापित हो सकती है
दिया है
कि आजादी के सत्तर वर्षों बाद भी हिन्दी देश की सर्व-स्वीकृत भाषा नहीं बन पाई है

इस मौ
श्री सुभाष शर्मा ने कहा कि राष्ट्र की पहचान ही भाषा औ
होती है
शुद्ध औ
अब बाजार की भाषा बन गई है
कि पूरी दुनिया में प्रत्येक देश अपनी-अपनी भाषाओं को सम्मान देता है औ

कार्यक्रम के अन्त में अकादेमी के सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा ने दोनों अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें गर्वपूर्वक अपनी भाषा को अपनाना चाहिए न कि किसी बाध्यता से।

हिन्दी सप्ताह का समापन दिनांक 22 सितम्बर, 2016 को किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष श्री बलदेव भाई शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता की औ
मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दोनों विद्वानों ने राजभाषा हिन्दी को हृदय से अपनाने पर बल देते हुए कहा कि हमें व्यक्तिगत स्तर पर इसमें सुधार करना चाहिए तभी राजभाषा राष्ट्रभाषा भी बन सकती है
प्रश्न केवल संवाद से ही जुड़ा नहीं है
औ

राजभाषा सप्ताह के शुभारम्भ पर बोलते श्री रामबहादुर राय। मंच पर है डॉ. सुधाकर शर्मा औ

माननीय संसद सदस्य श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी औ
को पुस्तकें भेंट करते सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा

असर पड़ता है
इसे मन से अपनाया जाना जरूरी है

कार्यक्रम के अन्त में सचिव महोदय ने दोनों अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं में विजयी औ
को पुरस्कार औ

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति द्वारा अकादेमी के साथ विचार-विमर्श कार्यक्रम

दिनांक 2 सितम्बर, 2016 को संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति द्वारा अकादेमी के साथ राजभाषा के प्रयोग सम्बन्धी विस्तृत विचार-विमर्श कार्यक्रम हुआ। समिति के माननीय सदस्यों का एकमत था कि कार्यालयों में राजभाषा नियमों के अनुपालन एवं हिन्दी के प्रचार औ प्रसार से सम्बन्धित कार्यों में आशातीत सफलता के लिए आवश्यक है कि एक योजनात्मक कार्य प्रणाली को क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने यह विचार भी व्यक्त किया कि कार्यालयों में प्रतिभा एवं क्षमता का अभाव नहीं है
परिणाम नहीं आ पाते। माननीय सदस्यों द्वारा राजभाषा के समुचित कार्यान्वयन हेतु सुझाव औ

कार्यक्रम के पश्चात् सचिव महोदय डॉ.सुधाकर शर्मा द्वारा माननीय संसद सदस्य श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी औ
श्री सत्यनारायण जटिया को अकादेमी द्वारा हिन्दी में प्रकाशित प्रकाशनों के सेट भी उपहार स्वरूप भेंट किये गए।

राजभाषा सप्ताह के समापन पर बोलते श्री बलदेव भाई शर्मा। मंच पर है सचिव डॉ. सुधाकर शर्मा औ

Kala Samvad Hindi revised(FINAL JOB IN PC).indd 11 11/23/2016 5:05:18 PM

श्रद्धांजलि

सै

यूसुफ अरक्कल

जेराम पटेल

इस दौ
दिया। इन कलाकारों के देहावसान से अकादेमी परिवार आहत है
परिजनों के प्रति अपनी गहरी सम्वेदना व्यक्त करता है

सैयद हैदर रज़ा

भारतीय मूल के मूर्धन्य कलाकार सै
निधन हो गया। 12 फरवरी, 1922 को जन्मे एस.एच. रजा वर्ष 1950 से ही फ्रांस में रहकर कार्य कर रहे थे औ
थे। कला में उनके सराहनीय कार्य के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण औ पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था औ
भी प्रदान किया गया था। श्री रज़ा को फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कमाण्डर लिगिन ऑफ ऑनर' भी प्राप्त था। वर्ष 1956 में पेरिस का प्रिक्स डी ला क्रिटिक सम्मान पाने वाले वे पहले गै
थे। सै
है
दिशा निर्देशक कार्यों के लिए वह हमेशा याद रखे जाएंगे।

के.जी. सुब्रमण्यन

शीर्षस्थ भारतीय चित्रकार प्रो.के.जी.सुब्रमण्यन का 29 जून, 2016 को गुजरात में निधन हो गया। वर्ष 1924 में केरल में जन्मे प्रो. के.जी.सुब्रमण्यन को पद्मश्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण औ
सम्मानित किया गया था। सत्तर के दशक में कला में नव प्रयोग करने वाले प्रो. सुब्रमण्यन ने विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्तिनिकेतन से कला की शिक्षा प्राप्त की थी। मणि दा के नाम से विख्यात इस कलाकार ने मिथक, स्मृति औ
एक नया आयाम प्रदान किया। इस मूर्धन्य चित्रकार के निधन पर अकादेमी अपनी श्रद्धांजलि देती है

यूसुफ अरक्कल

सुविख्यात रूपात्मक कलाकार, मूर्तिशिल्पकार औ
का 71 वर्ष की आयु में 4 अक्तूबर, 2016 को निधन हो गया। उन्होंने कर्नाटक चित्रकला परिषद्, बंगलौ
हाल ही में उन्हें फ्लोरेन्स अन्तर्राष्ट्रीय द्विवार्षिकी में प्रतिष्ठित 'लारेन्जो डी मेडिकी' गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका था। अरक्कल के चित्र शै
अभिव्यंजनावादी है
प्रिन्टों का वृहद संग्रह सृजित किया है
में कई पुस्तकें औ
ने अपना एक महान कलाकार खो दिया। अकादेमी उनके परिवार के प्रति हार्दिक सम्वेदना व्यक्त करती है

जेराम पटेल

भारत में अमूर्त कला के उन्नायकों में एक, जेराम पटेल के निधन से देश ने एक प्रख्यात कलाकार को खो दिया। उन्होंने 86 वर्ष की उम्र में 9 मई, 2016 को अपनी अन्तिम सांस ली। अपनी दृश्यात्मक समरसता के लिए प्रख्यात श्री पटेल ने भारतीय कला परिदृश्य में अपने लिए अलग जगह बनाई। पटेल की कला शै
में नव प्रयोग किए। श्री पटेल ने ललित कला अकादेमी के राष्ट्रीय पुरस्कारों सहित ललित कला रत्न सम्मान भी प्राप्त किया। देश के इस प्रतिभाशाली कलाकार के निधन पर अकादेमी अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करती है

अकादेमी के नये हिन्दी प्रकाशन

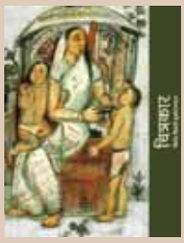

डॉ. सुधाकर शर्मा, सचिव, ललित कला अकादेमी,
रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली-110001 द्वारा प्रकाशित
औ

सम्पादन : डॉ. ज्योतिष जोशी
परिकल्पना औ
छायाचित्र : दिनेश कुमार

सहयोग : अंजली
टंकण : चन्देश्वर